एक नजर में

विश्व शांति के लिए अरदास की

उज्जैन। सिख समाज की स्त्री सत्संग की महिलाओं द्वारा प्रतिदिन किए जा रहे। 40 दिवसीय सुखमनी साहिब के पाठ के 9 वे दिन गुरुद्वारा सुख सागर में सामूहिक पाठ किया गया। स्त्री सत्संग की अध्यक्षा कुलदीप कौर सलूजा ने बताया कि सुखमनी साहिब में सिखों के पांचवें गुरु श्री गुरु अर्जन देव जी साहिब ने अपनी वाणी में कहा है कि सुख एक प्रकार की अनुभूति है, प्राप्ति की नहीं द्य भावना की एक प्रकृति है, एक मानसिक स्थिति है। सुख भीतर का विषय है। बाहर का नहीं। सुख का स्त्रोत मनुष्य के भीतर है, बाहर नहीं। परमात्मा निर्धन के लिए तेरा नाम ही धन है। निराश्रयों के लिए तेरा नाम आश्रय है। निरादरों के लिए तेरा नाम ही आदर है। गुरुदेव ने संतों की सेवा की महिमा का चित्रण किया है साधु संतों की सेवा से दुख, भय एवं अहम का निवारण होता है और मनुष्य चारों पुरुषार्थ का स्वामी बन जाता है। सुखमनी साहिब में श्री गुरु अर्जन देव जी साहिब ने श्रेष्ठ मनुष्य के गुणों का चित्रण किया है कि श्रेष्ठ मनुष्य वह है जो अपने मन में सदा मित्रता, भक्ति, विनम्रता का भाव रखता है और माया से कभी प्रभावित नहीं होता। जो मनुष्य सुख-दुख को समान भाव से समझता है वह पाप और पुण्य से कभी प्रभावित नहीं होता अर्थात ना तो वह किसी बुरे कार्यों के लिए आकर्षित होता है और ना पुण्य कार्य से प्रभावित होता है। सुखमनी साहिब के सामूहिक पाठ एवं कीर्तन के उपरांत हरजीत कौर अरोड़ा द्वारा विश्व शांति के लिए अरदास की गई एवं प्रसाद का वितरण किया गया।

वार्षिक बैठक में की गौसेवा

उज्जैन। अवंति कल्याण मंदिर महिला मंडल की वार्षिक बैठक आयोजित की गई जिसमें जीवदया के अंतर्गत मेरी संवेदना सोशल वेल फेयर सोसायटी द्वारा संचालित निनोरा स्थित गौ शाला पर संस्था अध्यक्ष मनीषा सुराणा के सानिध्य मे गौ सेवा की गई। जिसके अंतर्गत गायों को गुड़, रोटी, चारा आदि खिलाया गया। साथ ही सभी बहनों द्वारा अपने जन्मदिन एवं वैवाहिक वर्षगांठ पर एक एक पौधा रोपण करने का संकल्प लिया गया। मंडल अध्यक्ष आभा बांठिया ने बताया कि इस अवसर पर विशेष रूप से चंदन जैन, रीना कोठारी, कुसुम जैन, दीपिका सेठिया, नीना सर्राफ, प्रणिता चोरड़िया, सपना तांतेड, सोना जैन, मीना संघवी, सपना लोढ़ा, हिना सैलवाड़िया, रानी कोठरी, कल्पना जैन, संगीता जैन, रानी लोढ़ा, प्रभावती सुराणा, तिस्ता सुराणा, पुष्पा नाहर, मधु चापावत, साधना लोढ़ा, रानी रांका, जया कोठरी, रजनी जैन, रानी जैन आदि गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

मीरा माधव मंदिर पंवासा पर प्राकृतिक श्रृंगार

उज्जैन। श्री मीरा माधव मंदिर मक्सी रोड पंवासा पर हरियाली अमावस्या के अवसर पर प्राकृतिक पौधों व पत्तियां से श्रृंगार किया गया पं अजेंद्र त्रिवेदी ने बताया कि मंदिर परिसर स्थित वाटिका में कई तरह के औषधीय पौधे तथा प्राचीन पौधे जिसमें कदंब, रुद्राक्ष, सफेद जामुन, विद्या, लाल चंदन, पंचवटी, पीला चंदन, रुद्राक्ष, ब्रह्म कमल, बिल्व पत्र कई तरह के गुलाब, मोगरा आदि अन्य सुगंधित प्रजाति के पौधे भी लगे हैं। पं. अविनाश बटवाल द्वारा विशेष श्रंगार कर श्रीकृष्ण और मीरा जी को सजाया गया। इस अवसर पर सैकड़ो श्रद्धालुओं ने दर्शन लाभ लिए।

कलेक्टर ने तीन को जिला बदर किया

उज्जैन। कलेक्टर एवं जिलादण्डाधिकारी रौशन कुमार सिंह ने चिमनगंजमंडी थाना क्षेत्र के नारायण बाथम पिता गोविंद बाथम, नीलगंगा थाना क्षेत्र के अजय उर्फ डमरु पिता अकुड़ा कटारा और खाचरौद थाना क्षेत्र के मांगीलाल उर्फ भीकू पिता रतनलाल को छह माह तथा खाराकुआं थाना क्षेत्र के इकरार उर्फ टुंडा पिता नन्हें खां को एक वर्ष के लिए उज्जैन एवं उससे लगे सीमावर्ती जिले देवास, इंदौर, शाजापुर, रतलाम, मंदसौर, धार एवं आगर-मालवा कि राजस्व सीमाओं से जिला बदर किए जाने के आदेश जारी कर दिए है। कलेक्टर ने आदेश दिए है कि उक्त अनावेदक 48 घंटे के अंदर उज्जैन एवं उपरोक्त जिलों कि सीमाओं से बाहर चले जाए और निर्धारित समयावधि तक जिलों कि सीमाओ में प्रवेश ना करें। यदि अनावेदकों के विरुद्ध कोई प्रकरण उज्जैन जिले में स्थित न्यायालय में चल रहा हो तो वे नियत पेशी पर उपस्थित हो सकेंगे, परन्तु इसके पूर्व अनावेदकों को संबंधित थाना प्रभारी को लिखित में सूचना देनी होगी। न्यायालय में पेशी होने के तुरन्त पश्चात् इस न्यायालय के आदेश का पालन सुनिश्चित किया जावेगा।

मातृत्व अभियान में शिविर आज

उज्जैन। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने जानकारी दी कि गर्भवती महिलाओं के प्रसव पूर्व एवं प्रसव पश्चात जांचों की व्यवस्था एवं जोखिम पूर्ण गर्भावस्था के सुचारू प्रबंधन के उद्देश्य से प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान एवं एक्सटेंन्डेड प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत प्रतिमाह की 9 और 25 को स्वास्थ्य संस्थाओं मे शिविर आयोजित किये जाते है। इसी क्रम में शुक्रवार को भी जिले की स्वास्थ्य संस्थाओं मे शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में स्त्रीरोग विशेषज्ञ व सोनोलॉजिस्ट उपस्थित रहकर गर्भवती महिलाओं को जांच, उपचार व सोनोग्राफी की सेवायें नि:शुल्क प्रदान करेंगी। शिविर मे स्वास्थ्य सेवायें एवं सोनोग्राफी की सेवायें भी स्त्रीरोग विशेषज्ञ व सोनोलॉजिस्ट द्वारा उपस्थित रहकर प्रदान की जायेंगी।

उज्जैन जिले में औसत 2.9 मिमी वर्षा दर्ज

उज्जैन। कलेक्टर कार्यालय भू अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटे में उज्जैन जिले में औसत 2.9 मिली वर्षा दर्ज की गई है। इसमें तहसील उज्जैन में 18.0, बड़नगर में 5.0, माकड़ौन में 3.0 वर्षा दर्ज की गई है। 01 जून 2025 से लेकर आज दिनांक तक जिले में औसत 250.0 वर्षा दर्ज की गई है। 1 जून 2025 से आज दिनांक तक तहसील उज्जैन में 312.0, घट्टिया में 175.5, खाचरोद में 315, नागदा में 289.2, बड़नगर में 258.0, महिदपुर में 215, झारडा में 337.4, तराना में 278.5, माकड़ौन में 78.0 वर्षा दर्ज की गई है। 01 जून 2025 से लेकर आज दिनांक तक जिले में औसत 250.9 वर्षा दर्ज की गई है। गत वर्ष आज दिनांक तक तहसील उज्जैन में 250, घट्टिया में 250, खाचरौद में 185, नागदा में 370.5, बड़नगर में 288, महिदपुर में 224, झारडा में 272.2, तराना में 306.9, माकड़ौन में 378.0 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई थी। गत वर्ष जिले में इस अवधि में 280.5 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई थी।

नंबर वन का ताज बरकरार रखना, अब हम सब की सामूहिक चुनौती, आओ स्वच्छता का लें संकल्प

सफाई कर्मियों की मेहनत, अफसरों की मॉनीटरिंग का परिणाम उज्जैन स्वच्छता में नंबर वन

राष्ट्रपति से प्रथम पुरस्कार मिलने के बाद उत्साह

सिंहस्थ में स्वच्छता का प्रबंध करना हमारा अगला लक्ष्य

उज्जैन। धार्मिक नगरी पहले बनी स्मार्ट सिटी, उसके बाद सीएम सिटी में तब्दील हुईद्ध। यह गौरव की बात है कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का गृह नगर उज्जैन में है। देश विदेश से लाखों श्रद्धालु बाबा महाकाल का दर्शन करने के लिए प्रतिदिन उज्जैन आते हैं। ऐसे में राष्ट्रपति के द्वारा उज्जैन को स्वच्छता में प्रथम पुरस्कार मिला है यह हम सब शहर वासियों के लिए गौरव का विषय है।

हमारे सफाई मित्रों ने रात दिन एक करके जिस प्रकार से मेहनत की है। उसका परिणाम है कि उज्जैन स्वच्छता में प्रथम आया है, दिल्ली के विज्ञान भवन में महामहिम राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने जिस प्रकार से उज्जैन को सम्मानित किया है। ऐसे में हमें यह पुरस्कार संजोये रखना होगा और इस प्रकार की व्यवस्था सफाई को लेकर बनानी होगी कि लगातार हम स्वच्छता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त करते रहे।

महाकाल सवारी और अन्य धार्मिक आयोजनों में तुरंत सफाई

जिस प्रकार बाबा महाकाल की सवारी प्रति सोमवार को कार्तिक और सावन मास में निकलती है। साथ ही अन्य धार्मिक आयोजन भी शहर में होते हैं। ऐसे में नगर निगम की टीम सफाईकर्मियों के माध्यम से सवारी के पीछे-पीछे स्वच्छता अभियान चलाती है, यही कारण रहता है कि कुछ ही घंटे में 7 किलोमीटर लंबा सवारी मार्ग साफ सुथरा हो जाता है और रहवासियों को इसका फायदा पहुंचता है। साथ ही लाखों श्रद्धालु भी स्वच्छता के वातावरण में धार्मिक नगर में भ्रमण करते हैं। सफाई कर्मियों ने समुदाय को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए काम किया। जिससे शहर की स्वच्छता में सुधार हुआ। बच्चों से लेकर महिलाओं और बुजुर्गों में भी स्वच्छता के प्रति एक नया वातावरण तैयार हुआ है। अब कोई भी उज्जैन शहर में कहीं भी कचरा नहीं फेंकता है, डस्टबिन का सभी उपयोग करते हैं जिसका परिणाम हम सबके सामने है कि उज्जैन प्रथम आया है। उज्जैन महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम आयुक्त आशीष पाठक और सभापति कलावती यादव स्वच्छता के लिए उज्जैन में कई कदम उठा रहे हैं। अफसर और जनप्रतिनिधि मिलकर सभी को स्वच्छता के लिए प्रेरित कर रहे हैं विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा से लेकर सभी 54 पार्षद भी अपनी अहम भूमिका निभा रहे हैं, यही कारण है कि उज्जैन प्रथम पायदान पर आया है जो देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। अब नगर निगम को नियमित सफाई अभियान चलाने चाहिए, जिससे शहर की सड़कें और सार्वजनिक स्थान साफ और स्वच्छ रहें। कूड़ा प्रबंधन के लिए प्रभावी व्यवस्था होनी चाहिए। जिससे कूड़ा सही तरीके से एकत्रित किया जा सके और उसका निपटान हो सके। साथ ही जनता को भी स्वच्छता के प्रति जागरुक करने के लिए अभियान चलाने चाहिए, जिससे वे अपने आसपास के क्षेत्र को साफ रखने में सहयोग कर सके।

अब सिंहस्थ में नंबर वन बने रहने की चुनौती

सिंहस्थ 2028 में 40 करोड़ श्रद्धालु आएंगे। ऐसे में हमें योजना बनानी होगी कि भीड़ प्रबंधन के साथ स्वच्छता प्रबंधन भी हम बनाए रखें। जिस प्रकार इंदौर लगातार 8 बार स्वच्छता में नंबर वन आया है, ऐसे में यदि हम 40 करोड़ श्रद्धालुओं के बीच साधु संतों की उपस्थिति में नंबर वन का पुरस्कार प्राप्त करेंगे तो यह देश और दुनिया के लिए एक बड़ा संदेश होगा। ऐसे में हमें अभी से तैयारी करना होगी, सभी को स्वच्छता का संकल्प लेना होगा। नगर निगम की स्वच्छता रैंकिंग में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। जब उज्जैन स्वच्छता में नंबर वन आया है। यह उपलब्धि नगर निगम के सफाई कर्मियों की मेहनत और समर्पण का परिणाम है।

नगर निगम आयुक्त ने की नवभारत से चर्चा

नवभारत से चर्चा में नगर निगम आयुक्त आशीष पाठक ने कहा कि निश्चित तौर पर उज्जैन के प्रथम आने से हम सब गोरवान्वित हैं। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने उज्जैन को सम्मानित किया। उसके बाद मुख्यमंत्री ने भी भोपाल में नगर निगम की टीम का उत्साह वर्धन किया। हम आगे भी सफाई मित्रों के माध्यम से उज्जैन को नंबर वन बनाने के प्रयास में कोई कमी नहीं छोड़ेंगे। स्वच्छता के लिए प्रभावी नीतियां बनाएंगे।

अब अफसरों को मेहनत की आवश्यकता

उज्जैन की स्वच्छता रैंकिंग में सुधार हुआ है। जिससे शहर की छवि में भी सुधार हुआ है। वहीं जनता में भी खुशी की लहर है कि शहर में सफाई को लेकर पुरस्कार मिला है। स्वच्छता में सुधार से नागरिकों के स्वास्थ्य में भी सुधार हुआ है। जिससे वे स्वस्थ और खुशहाल जीवन जीने में सक्षम हुए हैं। उज्जैन की स्वच्छता में नंबर वन आने की यह उपलब्धि सभी के लिए एक बड़ी सीख भी देती है, सबसे अधिक अफसरो को सजग सतर्क और गंभीर रहने की आवश्यकता है ताकि स्वच्छता में कोई कमी ना रह जाए। उनकी मेहनत से शहर की स्वच्छता में सुधार हुआ है और नागरिकों के स्वास्थ्य में भी सुधार हुआ है।

श्रद्धालुओं से अभद्रता करने वाले ट्रैफिक पुलिस जवान को पुलिस अधीक्षक ने किया निलंबित

उज्जैन। भगवान महाकाल की दूसरी सवारी के दर्शन करने इंदौर से आए श्रद्धालुओं के साथ नशे में अभद्रता कर उन्हें डंडा दिखाने वाले ट्रैफिक पुलिस के कांस्टेबल को एसपी प्रदीप शर्मा ने बुधवार को सस्पेंड कर दिया। यह कार्रवाई सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद की गई।

दरअसल, भगवान महाकाल की दूसरी सवारी के दर्शन करने के लिए 21 जुलाई को इंदौर के श्रद्धालु ऑटो से उज्जैन आए थे। चारधाम पार्किंग पर उन्होंने ऑटो पार्क की थी तभी उनकी वहां ड्यूटी पर तैनात यातायात पुलिस के आरक्षक गजेंद्र सिंह से कहासुनी हो गई। इस दौरान आरक्षक नशे में लग रहा था जिसके बाद श्रद्धालुओं ने उसका वीडियो बनाना शुरू किया।

यह देख आरक्षक ने पहले तो श्रद्धालुओं से मोबाइल छीनने की कोशिश की लेकिन जब बात नहीं बनी तो उसने वहीं पड़ा डंडा उठाया और उसे दिखाते हुए धमकाने लगा। इस पूरे घटनाक्रम को श्रद्धालुओं ने अपने मोबाइल में कैद कर लिया और उसे वायरल कर दिया। 38 सेकंड के इस वीडियो में श्रद्धालुओं ने आरक्षक पर शराब पीकर ड्यूटी करने और दुर्व्यवहार के आरोप लगाए हैं। वीडियो की पुष्टि होने के बाद एसपी ने आरक्षक गजेंद्र सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इन्हीं श्रद्धालुओं ने 36 सेकंड का दूसरा वीडियो भी वायरल किया है। जिसमें चारधाम पार्किंग पर एक शख्स उनसे ऑटो का परमिट मांगता नजर आ रहा है। लेकिन जब श्रद्धालु वीडियो बनाने लगते हैं तो वह चुपचाप कुर्सी पर जाकर बैठ जाता है। इस संबंध में एडिशन एसपी नितेश भार्गव ने बताया श्रद्धालुओं ने जो दूसरा वीडियो वारयल किया है, वह अभी संज्ञान में नहीं आया है।

महाकाल लोक में कुत्ते ने श्रद्धालु को काटा

उज्जैन। महाकाल दर्शन को आए एक श्रद्धालु को महाकाल लोक में आवारा कुत्तों ने काट लिया। उत्तरप्रदेश के मेरठ निवासी वीरभारत पिता जागीर सिंह उम्र 52 वर्ष अपने चार साथियों के साथ महाकाल लोक में घूम रहे थे। बताया जा रहा है कि वीरभारत और उनके साथी महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन के बाद महाकाल लोक में आरती देखने के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान शाम की आरती शुरू हो गई थी और श्रद्धालु बड़ी संख्या में स्क्रीन पर आरती देख रहे थे। तभी अचानक चार से पांच आवारा कुत्ते आपस में लड़ते हुए वहां पहुंच गए। भगदड़ जैसी स्थिति में एक कुत्ते ने वीरभारत को काट लिया। कुत्ते के काटने से वीरभारत घायल हो गए। उनके दोस्तों ने तुरंत उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने घाव पर तीन से चार टांके लगाए और रेबीज का इंजेक्शन दिया।

पुलिसकर्मी के गले से सोने की चेन चोरी

उज्जैन। महाकाल मंदिर में दर्शन के लिए आए एक रिटायर्ड पुलिसकर्मी के गले से सोने की चेन चोरी हो गई। चेन की कीमत लगभग 3 लाख रुपये बताई जा रही है। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है जिसमें एक संदिग्ध महिला दिखाई दे रही है। पुलिस जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार महेश श्रीवास्तव निवासी महू अपने परिवार के साथ बाबा महाकाल के दर्शन के लिए उज्जैन आए थे। वह मंदिर में दर्शन के लिए लाइन में लगे हुए थे। इसी दौरान भीड़ अधिक होने का लाभउठाकर किसी अज्ञात ने उनके गले से 42 ग्राम वजनी सोने की चेन चुरा ली। घटना का पता चलने पर महेश श्रीवास्तव ने तत्काल महाकाल थाना पहुंचकर आवेदन दिया। प्रारंभिक जांच में एक संदिग्ध महिला कैमरे में कैद नजर आई है। पुलिस का कहना है कि फुटेज के आधार पर संदिग्ध महिला की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

घट्टिया में सड़क पर कार रोक कर चलाए पाइप और डंडे

उज्जैन। अब तो ग्रामीण क्षेत्रों में बदमाश दहशत फैलाने से बाज नहीं आ रहे हैं। इसी क्रम में यहां से करीब 35 किमी दूर घट्टिया के प्रमुख बाजार में उस समय हडकंप मच गया जब दो कारों में सवार युवकों ने एक दूसरे पर डंडों और पाइप से हमला शुरू कर दिया। महिलाओं को भी नहीं बख्शा गया। मौके पर भीड़ जमा हो गई लेकिन किसी ने उत्त्तेजित युवकों के बीच में पड़ना मुनासिब नहीं समझा। अलबत्ता किसी ने पुलिस को सूचना दे दी।

पुलिस मौके पर पहुंची तब तक हमलावर जा चुके थे। पुलिस ने पीछा भी किया लेकिन वे पकड़ में नहीं आए। पुलिस के अनुसार सूचना मिली थी कि प्रमुख बाजार में उज्जैन रोड पर दो कारों में सवार करीब एक दर्जन लोग उतरे और एक दूसरे हमला शुरू कर दिया। उनके पास लाठियां और पाइप थे। एक पक्ष ने महिलाओं पर भी हमला किया। देखते ही देखते वहां भीड़ जमा हो गई। काफी देर तक दोनों पक्षों में मारपीट होती रही। अज्ञात लोगों द्वारा दी गई जानकारी के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पता चला कि कार क्रमांक एमपी 09 जेडआर 9609 के सवारों के पास डंडे और पाइप थे। इस कार का पीछा भी किया गया लेकिन वे पकड़ में नहीं आए। दूसरी कार में बैठे लोगों ने फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी है।

पत्नी को मारी लोहे की रॉड, मोबाइल छीना

उज्जैन। चिमनगंज क्षेत्र के ढांचाभवन में रहने वाले पति ने बच्चे को दूध पिलाने की बात पर पत्नी के सिर पर लोहे की रॉड दे मारी और मोबाइल भी छीन लिया। इसके बाद वह चरक अस्पताल पहुंची। घायल का नाम परवीन पति मेहताब खान (20) निवासी ढांचाभवन है। उसने बताया कि उसका 9 माह का बच्चा है। बुधवार को पति से दूध पिलाने की बात पर बहस हो गई थी जिससे नाराज होकर पति ने उसे लोहे की रॉड से पीटा और मोबाइल भी छीन लिया। इसके बाद शाम को वह इलाज के लिए चरक अस्पताल पहुंची और यहां से अपनी मामी शहनाज को सूचना देकर अस्पताल बुलाया। परवीन का कहना है कि पति आए दिन उसके साथ मारपीट करता है। मामले में उसने चिमनगंज मंडी थाने में शिकायत की है।

शासकीय धन्वंतरि कॉलेज में हुआ आयोजन

उज्जैन। शासकीय धन्वंतरि आयुर्वेद महाविद्यालय, उज्जैन में आज सत्र 2024-25 के एमडी तथा पीएचडी के शोधार्थियों हेतु शोध प्रबंध की प्रस्तुति एवं एथिकल क्लीयरेंस के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शोध कार्यों की विधिपूर्वक प्रस्तुति की गई और नैतिक मापदंडों के अनुसार उनकी समीक्षा की गई। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख अतिथिगण डॉ. बीएन व्यास, डॉ. मनु गौतम, डॉ. समता पटेल, डॉ. रुचि पटेल इन सभी विशेषज्ञों ने शोधार्थियों को उनके प्रस्तावित विषयों पर गहन मार्गदर्शन प्रदान किया एवं उन्हें नैतिक शोध प्रक्रिया के महत्व को समझाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. शिरोमणि मिश्रा डॉ. योगेश वाणे, मुख्य मार्गदर्शन, प्राचार्य डॉ. जेपी चौरसिया, डॉ. चौरसिया ने अपने संबोधन में कहा कि अनुसंधान विद्यार्थियों के शैक्षणिक जीवन का आधार हैऔर एथिकल क्लीयरेंस एक अत्यंत आवश्यक प्रक्रिया है। जिससे शोध की विश्वसनीयता और सामाजिक स्वीकार्यता सुनिश्चित होती है। कार्यक्रम में शोध विषयों की प्रस्तुति प्रत्येक शोधार्थी ने अपने-अपने विषय की रूपरेखा प्रस्तुत की जिसमें उद्देश्य, शोध की कार्यप्रणाली, संभावित निष्कर्ष तथा समाज में उपयोगिता जैसे पहलुओं को सम्मिलित किया गया। प्रस्तुति के उपरांत विशेषज्ञों द्वारा प्रश्न पूछे गए एवं शोध के स्तर को ऊंचा उठाने के सुझाव भी दिए गए। स्नातकोत्तर एवं पीएचडी के कुल 18 विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और अपने विषयों का विस्तार से विवरण प्रस्तुत किया। सभी विद्यार्थियों ने पावर पाइंट के माध्यम से सुंदर एवं प्रभावशाली प्रस्तुति दी। समापन धन्यवाद ज्ञापन और आगामी अनुसंधान चरणों की सफलता की शुभकामनाओं के साथ हुआ।

हरियाली अमावस्या पर दूधेश्वर महादेव की हुई महाआरती

उज्जैन। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी हरियाली अमावस्या महापर्व पर दूध तलाई स्थित भगवान श्री दूधेश्वर महादेव मंदिर में भगवान दूधेश्वर महादेव का रुद्राभिषेक, महामृत्युंजय अभिषेक कर महाआरती की गई। साथ ही महाप्रसादी वितरित की गई।

हरियाली अमावस्या पर रात 8 बजे महाआरती पंडित कृष्णकांत जोशी, पंडित मुरली मनोहर जोशी द्वारा कराई गई। महाप्रसादी भोग में प्रात: काल से खिचड़ी प्रसाद एवं संध्याकालीन सवा क्विंटल नुक्ती का भोग भगवान को अर्पण किया गया। पं. मुरली मनोहर जोशी के अनुसार विगत 60-70 वर्षों से हरियाली अमावस्या के दिन पूरे परिक्षेत्र में लगाए जा रहे विशाल मेले की श्रृंखला में इस वर्ष भी विभिन्न प्रकार की झूले, चकरी एवं पूरे परिक्षेत्र के सजा सज्जा एवं विभिन्न प्रकार की दुकानें लगाई गई। भगवान दूधेश्वर महादेव मंदिर का पुरातत्व महत्व यह है कि यहां पर राजा पृथु ने कामधेनु गाय के थन धोए थे जिससे यहां पर दूध प्रकट हुआ था। इसलिए पूरे परिक्षेत्र का नाम दूध तलाई के नाम से जाना जाता है और यहां भगवान का नाम भी दूधेश्वर महादेव के नाम से प्रसिद्ध है। यहां के कुएं के जल का महत्व है। कोई भी माता बहने को बालक व बालिका उत्पन्न होता हो और दूध आना अगर उन्हें बंद हो जाए तो यहां के कुएं का जल माता बहने द्वारा ग्रहण करने से दूध आना शुरू हो जाता है। भगवान के ऊपर से जल को अभिमंत्रित करके दिया जाता है तथा जल ग्रहण करने से दूध आना शुरू हो जाता है। ऐसा यहां जल का चमत्कार है एवं यहां के आसपास एवं दूर-दूर से लोग माता बहनों के लिए जल लेने के लिए आते हैं एवं उनकी संपूर्ण कामनाएं पूर्ण करते हैं। भगवान श्री दूधेश्वर महादेव अभिषेक करे हुए जल का बड़ा ही महत्व है।

भगवान के श्रीचरणों में सेवा देते हुए विगत 5 से 7 पीढ़ी पुजारी परिवार की ओर से भगवान के श्री चरणों में सेवा प्रदान कर रही है एवं निरंतर यह कार्य चल रहा है। यहां पर धानी मुक्का के व्रत का उद्यापन करने वाली कन्याओं माता बहनों ने कुंड परिक्षेत्र में जवारे विसर्जित किये। सखी ने एक दूसरे को मुख में धानी खिलाकर पीठ पर मुक्का मारे और धानी मुक्का का व्रत खोला। प्रात: काल से ही माता बहनों का जन सैलाब यहां उमड़ा।

नागपंचमी की तैयारी — **वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा नागपंचमी पर्व को दृष्टिगत रखते हुए दर्शन व्यवस्था का निरीक्षण किया गया**

नागचंद्रेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए प्रवेश और निकास के मार्ग अलग-अलग होंगे

नवभारत न्यूज

उज्जैन। गुरुवार को संभागायुक्त संजय गुप्ता, एडीजी उमेश जोगा, डीआईजी नवनीत भसीन, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा के द्वारा आगामी 29 जुलाई को नागपंचमी पर्व को दृष्टिगत रखते हुए श्री महाकालेश्वर मंदिर में स्थित श्री नागचंद्रेश्वर मंदिर में दर्शन व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों के द्वारा कर्कराज पार्किंग स्थल से होकर गंगा गार्डन, चार धाम मंदिर पार्किंग मार्ग से झिगझेग होते हुए हरसिध्दि चौराहा होते हुए बड़ा गणेश मंदिर से श्री महाकालेश्वर मंदिर में प्रवेश मार्ग का अवलोकन किया गया।

गौरतलब है कि नागपंचमी पर्व पर वर्ष में केवल एक बार खुलने वाले भगवान श्री नागचंद्रेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए लगभग 10 लाख लोगों के आने की संभावना है। इसके लिए जिला प्रशासन की ओर से सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। कर्कराज पार्किंग में वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी। वहां से दर्शन के लिए कतार लगना प्रारंभ होगी। कलेक्टर के द्वारा दर्शन मार्ग में पर्याप्त बेरिकेटींग किए जाने के निर्देश दिए गए। नागपंचमी पर्व पर भगवान श्री नागचंद्रेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए प्रवेश और निकास के मार्ग अलग-अलग होंगे। कलेक्टर सिंह के द्वारा दर्शन के लिए आने वाले श्रध्दालुओं के लिए स्वास्थ्य सुविधा और पेय जल उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को मंदिर परिसर में अस्थाई प्राथमिक चिकित्सा केंद्र बनाए जाने और वहां सभी आवश्यक दवाईयां और अन्य स्वास्थ्य संबंधित व्यवस्थाएं चाकचौबंद रखने के निर्देश दिए। नागपंचमी पर्व पर अनाउन्समेंट व्यवस्था को दुरुस्त रखने और विभिन्न स्थानों पर श्रध्दालुओं की सुविधा के लिए संकेतक लगाए जाने के निर्देश दिए गए। जानकारी दी गई कि नागचंद्रेश्वर मंदिर में जाने के लिए बनाए गए एयरो ब्रिज की मजबूती की जांच भी गुरुवार को करवाई गई है। नागपंचमी पर्व पर भीड़ का प्रबंधन कर कम से कम समय में श्रध्दालुओं को भगवान श्री नागचंद्रेश्वर के दर्शन कराने के प्रयास किए जाएंगे। इस दौरान श्री महाकालेश्वर मंदिर के महंत विनित गिरि महाराज, प्रशासक श्री महाकालेश्वर प्रबंध समिति प्रथम कौशिक और संबंधित विभागों के अधिकारिगण मौजूद थे।

300 सुरक्षाकर्मियों को खड़ा किया पुल पर

उज्जैन। नागपंचमी पर्व को ध्यान में रखते हुए वर्ष में एक बार खुलने वाले श्री नागचंद्रेश्वर मंदिर में दर्शन हेतु उपयोग में लिए जाने वाले पुल विश्राम धाम से शिखर को जोड़ने वाले की क्षमता का परीक्षण किया गया। परीक्षण के दौरान 300 सुरक्षाकर्मियों पुल पर खड़ा कर उनसे गतिविधि करवायी जाकर पुल की मजबूती व क्षमता का परिक्षण भी किया गया। इस दौरान एसएन सोनी, लोक निर्माण विभाग भवन/पथ के कार्यपालन यंत्री गौतम अहिरवार, सहायक प्रशासक शिवकांत पाण्डेय, देवेंद्र परमार, मूलचंद जूनवाल, विशेष कर्तव्यथ अधिकारी जयंत राठौर, सुरक्षा प्रभारी अनुराग चौबे आदि उपस्थित थे।